अनुबंध 1

मास्टर परिपत्र

रुपया जमाराशियों पर ब्याज दर

जमाराशियों पर ब्याज की दर

(घरेलू और एनआरओ जमाराशियां)*

[पैरा 1, 4.1, 4बी 6.1, 6.2 और 6.3 देखें]

खाते की श्रेणी	**प्रतिशत प्रतिवर्ष**
(i) चालू	0.5 से अधिक नहीं @
(ii) बचत बैंक (घरेलू)	@ £
बचत बैंक (एनआरओ)	#
(iii) मीयादी जमाराशियां (ए) 15 लाख रुपये और उससे अधिक (न्यूनतम 7 दिन की अवधि)	मुक्त (जमाराशि की मात्रा के आधार पर दर में परिवर्तन हो सकता है)
(बी) 15 लाख रुपये से कम (न्यूनतम 7 दिन की अवधि)	मुक्त (सभी ग्राहकों के लिए एक समान)

@ प्राथमिक (शहरी) सहकारी बैंक अपने विवेकाधिकार से क्रमश: बचत बैंक जमाराशियों पर एक प्रतिशत और चालू खातों पर आधा प्रतिशत प्रतिवर्ष की सीमा तक अतिरिक्त ब्याज दे सकते हैं। चूँकि उक्त विवेकाधिकार के प्रावधान से उनकी जमाराशियों की लागत बढ़ जाती है इसलिए **शहरी सहकारी बैंकों को प्रोत्साहित किया जाता है कि वे निम्नलिखित उपाय करें:**

(i) बचत बैंक खातों पर वाणिज्यिक बैंकों द्वारा दिए जाने वाले ब्याज से अधिक अतिरिक्त ब्याज न दें;

(ii) चालू खातों पर ब्याज न दें।

£ 3 मई 2011 से 24 नवंबर 2011 तक 4 % प्रति वर्ष तथा 25 नवंबर 2011 से विनियंत्रित

3 मई 2011 से 27 दिसंबर 2011 तक 4 % प्रति वर्ष तथा 28 दिसंबर 2011 से विनियंत्रित

* साधारण अनिवासी (एनआरओ) जमाराशियां केवल वही बैंक स्वीकार करेंगे जिन्हें भारतीय रिज़र्व बैंक ने इस बारे में प्राधिकृत किया हो।

****